इस प्रश्न–पत्र में 37 प्रश्न तथा 11 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

Code No. / कोड नं. **71/S/201/B1**

Roll No. / अनुक्रमांक. | | | | | | | | | | | |

हिन्दी

(201)

Serial No.

Gandhi Inter College | 121102

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators 1. ____________________
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।
2. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई एक उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना हैं ।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा ।
5. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा ।
6. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **71/S/201/B1** लिखें ।

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश:

(i) इस प्रश्न–पत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 37 है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके सामने दिए गए हैं ।

(iv) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड है – खंड 'अ' और खंड 'ब' ।

(v) खंड 'अ' में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(vi) खंड 'अ' में कुल 27 प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या 1 से 5 पठित कविता पर, प्रश्न संख्या 6 अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या 7 से 19 पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या 20 अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या 21 से 27 व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vii) खंड 'ब' में कुल 10 प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या 28 से 30 पठित कविता पर, प्रश्न संख्या 31 से 34 पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या 35 से 37 लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

सामान्य अनुदेश :

(1) सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

(2) इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 2.15 बजे किया जाएगा। 2.15 बजे से 2.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

खंड – 'अ'

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

1. 'आह्वान कविता के अनुसार ..... मनुष्य को अकर्मण्य बना देता है। [1]

2. उस्ताद शागिर्द को समझाता है कि ..... वह फ़सल है जिसे बोनेवाला ही काट सकता है। [1]

(क) आज़ादी (ख) परतंत्रता

(ग) उड़ान (घ) गेहूँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

(क) कबीर के अनुसार सयानो काम का अर्थ है ..... का काम। [1]

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' में प्राकृतिक सौन्दर्य का मानवीकरण करते हुए ..... को क्रमशः दूल्हे और दुल्हन के रूप में दिखाया है। [1]

(ग) बूढ़ी पृथ्वी का दुख कविता में पेड़ो की ..... मानों बचाव के लिए पुकारते उसके हज़ारो हाथ हैं। [1]

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

(क) कवि वृंद के अनुसार व्यक्ति के ..... उसके हृदय में विद्यमान भावों को उसी प्रकार व्यक्त कर देते हैं जैसे ..... भले–बुरे रूप रंग को। [1×2=2]

(ख) आज़ादी का अर्थ केवल ..... को भोगना ही नहीं, बल्कि समाज तथा देश के प्रति ..... निभाना भी है। [1×2=2]

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

(क) रहीम ने कोयल और मेंढक का वर्णन कर के विद्वान और ..... वाला अर्थ भी व्यक्त किया है। इस दोहे में ..... अलंकार का सटीक प्रयोग किया गया है। [1×2=2]

(ख) खैर, खून, खाँसी, खुसी में ..... वर्ण की आवृत्ति के कारण .:..... अलंकार है। [1×2=2]

Gandhi Inter College 121102

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए - [4×1=4]

सामने देश माता का भव्य चरण है
जिह्वा पर जलता हुआ एक, बस प्रण है
काटेंगे अरि का मुण्ड कि स्वयं कटेंगे,
पीछे परन्तु सीमा से नहीं हटेंगे।
फूटेंगी खर निर्झरी तप्त कुण्डों से,
भर जायेगा नागराज रुण्ड-मुण्डों से।
माँगेगी जो रणचण्डी भेंट, चढ़ेगी
लाशों पर चढ़कर आगे फ़ौज बढ़ेगी।
पहली आहुति है अभी, यज्ञ चलने दो
दो हवा, देश की आग जरा जलने दो।
जब हृदय - हृदय पावक से भर जाएगा,
भारत का पूरा पाप उतर जाएगा।
देखोगे, कैसा प्रलय चण्ड होता है,
असिवंत हिंद कितना प्रचंड होता है।
बाँहों से हम अम्बुधि अगाध थाहेंगे,
धँस जायेगी यह धरा, अगर चाहेंगे।
तूफान हमारे इंगित पर ठहरेंगे,
हम जहाँ कहेंगे, मेघ वहीं घहरेंगे

(क) प्रस्तुत काव्यांश का स्वर किस भाव से परिपूर्ण है?
(i) मातृभक्ति
(ii) वेदना व करुणा
(iii) देशभक्ति
(iv) ईश्वर भक्ति

(ख) कवि शत्रु का संहार कर और अपना बलिदान देकर भी किसकी रक्षा करेगा?
(i) अपने परिवार और परिचितों की
(ii) देश की सीमाओं की
(iii) देश के नेताओं की
(iv) देश के मित्र राष्ट्रों की

(ग) कवि किस आग को हवा देकर जलते रखना चाहता है?
(i) बलिदानी सैनिकों के अंतिम संस्कार की आग
(ii) यज्ञ की आग
(iii) देशवासियों के हृदय में बलिदान की आग
(iv) युद्धभूमि में लगी आग

(घ) अपने असीम मानसिक और शारीरिक साहस से भारतवासी क्या करने में समर्थ हैं?
(i) प्रकृति को भी अपने वश में करना
(ii) प्राकृतिक संतुलन बनाना
(iii) सैनिक तैयार करना
(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए –

7. 'बहादुर' कहानी का वाचक ..... वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। [1]

(क) निम्न (ख) सामंत

(ग) मध्य (घ) उच्च

8. गौरैया ने हमेशा के लिए राजकुमार की मूर्ति के साथ रहने का निर्णय लिया क्योंकि वह ..... हो चुका था।[1]

(क) अंधा (ख) गरीब

(ग) स्वार्थी (घ) प्रसन्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए–

9. 'अंधेर नगरी' नाटक में फ़रियादी की बकरी मर जाने की सज़ा के रूप में राजा खुद फाँसी पर चढ़ जाता है क्योंकि ..... [1]

(क) राज्य के हर प्राणी व वस्तु की रक्षा करना राजा का दायित्व होता है।

(ख) वह बड़ा ही शुभ मुहूर्त था और इस मुहूर्त में फाँसी पर चढ़नेवाला अमर हो जाता।

(ग) वह बड़ा ही शुभ मुहूर्त था और इस मुहूर्त में फाँसी पर चढ़नेवाला वैकुंठ जाता।

(घ) राजा को लगा कि यही उचित न्याय है।

10. आपके द्वारा बैंक मैनेजर को लिखा जानेवाला पत्र किस श्रेणी में आता है? [1]

(क) अनौपचारिक पत्र (ख) व्यावसायिक पत्र

(ग) आवेदन पत्र (घ) कार्यालयी पत्र

11. सार–लेखन में किसी दूसरे के द्वारा लिखी गई विस्तृत बात को कम शब्दों में व्यक्त करते समय किस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए – [1]

(क) तत्सम शब्दावली प्रधान क्लिष्ट भाषा का प्रयोग करना

(ख) उदाहरणों द्वारा अपनी बात स्पष्ट करना

(ग) सुंदर भाषा–शैली का प्रयोग कर प्रभावित करना

(घ) मूल–भाव सुरक्षित रखना

Gandhi Inter College / 71102

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

12. ..... और ..... के आधार पर अख़बार की विचारधारा का आसानी से पता लगाया जा सकता है।[1]

13. वाजिद अली शाह के बंदी बनाए जाने का ..... और ..... को कोई मलाल नहीं था। [1]

14. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [2×1=2]

(क) ..... देश के लोग उन दिनों बड़े–बड़े नखों को पसंद करते थे और ..... लोग छोटे नखों को ।

(ख) 'बहादुर' पाठ के लेखक हैं ..... ।

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – [2×1=2]

(क) "इस वक्त इधर तबीयत नहीं लगती । बेचारे नवाब साहब इस वक्त खून के आँसू रो रहे होंगे।" .....

(ख) "कैसा अचरज है, यह टूटा हुआ जस्ते का दिल भट्टी में पिघल ही नहीं रहा है।" .....

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही है या गलत ।

(क) अंधेर नगरी कहानी में राजा अपने कर्त्तव्यों का पालन करनेवाला और न्यायप्रिय है। [1]

(ख) लाखों वर्ष पूर्व मनुष्य को अपनी जीवन–रक्षा के लिए नाखूनों की ज़रूरत थी। [1]

17. वर्णनात्मक निबंध ..... होते हैं तथा इन्हें लिखना अपेक्षाकृत ..... होता है। [1×2=2]

(क) कल्पना प्रधान, सरल (ख) सूचनात्मक, सरल

(ग) सूचनात्मक, कठिन (घ) भाव प्रधान, सरल

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उन्हें अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

पाठ का नाम	पात्र का नाम
अंधेर नगरी	किशोर
बहादुर	गौरेया
	घासीराम

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [2×1=2]

(क) ..... हिंदी का एक प्रसिद्ध समाचार पत्र है।

(ख) वाजिद अली शाह के समय ..... विलासिता में डूबा हुआ था।

20. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए - [4×1=4]

निराला जी अपने शरीर, जीवन और साहित्य सभी में असाधारण है। उनमें विरोधी तत्वों की भी सामंजस्यपूर्ण संधि है। उनका विशाल डीलडौल देखने वाले के हृदय में जो आतंक उत्पन्न कर देता है, उसे उनके मुख की सरल आत्मीयता दूर करती चलती है। उनकी दृष्टि में दर्प और विश्वास की धूपछाँही द्वाभा है। इस दर्प का संबंध किसी हल्की मनोवृत्ति से नहीं और न उसे अहं का सस्ता प्रदर्शन ही कहा जा सकता है। अविराम संघर्ष और निरंतर विरोध का सामना करने से उनमें जो एक आत्मनिष्ठा उत्पन्न हो गई है, उसी का परिचय हम उनकी दृप्त-दृष्टि में पाते हैं। कभी-कभी यह गर्व व्यक्ति की सीमा पार कर इतना सामान्य हो जाता है कि हम उसे अपना, प्रत्येक साहित्यकार का या साहित्य का मान सकते हैं। इसी से वह दुर्वह कभी नहीं होता। जिस बड़प्पन में हमारा भी कुछ भाग है, वह हममें छोटेपन की अनुभूति नहीं उत्पन्न करता और परिणामतः उससे हमारा कभी विरोध नहीं होता। निराला जी की दृष्टि में संदेह का वह पैनापन नहीं जो दूसरे मनुष्य के व्यक्त परिचय का अविश्वास कर उसके मर्म को बेधना चाहता है। उनका दृष्टिपात उनके सहज विश्वास की वर्णमाला है।

(क) निराला जी के व्यक्तित्व में किन तत्वों की सामंजस्यपूर्ण संधि है?

(i) शरीर, जीवन और साहित्य की
(ii) विरोधी तत्वों की
(iii) कला और साहित्य की
(iv) शरीर व मन की

(ख) निराला जी की दृष्टि में कौन-सी द्वाभा है?

(i) अहंकार और विश्वास की
(ii) दर्प और श्रद्धा की
(iii) दर्प और विश्वास की
(iv) सत्य और अहिंसा की

(ग) निराला को जीवन में निरंतर किसका सामना करना पड़ा?

(i) संघर्ष और विरोध का
(ii) आदर व विश्वास का
(iii) संघर्ष और प्रेम का
(iv) प्रेम और घृणा का

(घ) निराला जी का दृष्टिपात किसके समान है?

(i) भाषा की वर्णमाला की तरह
(ii) अहंकार से भरा
(iii) प्रेम व विश्वास से भरा
(iv) सहज विश्वास की वर्णमाला जैसा

Gauhati Inter College

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए –

21. 'कान पर जूँ न रेंगना' मुहावरे का अर्थ है – [1]

(i) सुनने में समस्या न होना
(ii) किसी बात का असर न होना
(iii) बालों में जुएँ न होना
(iv) साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखना

22. 'रुपया-पैसा' ..... समास का उदाहरण है – [1]

(i) अव्ययीभाव समास
(ii) बहुव्रीहि समास
(iii) द्वन्द्व समास
(iv) द्विगु समास

23. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है – [1]

(i) सभा में अनेकों लोग पधारे।
(ii) सभा में भारी-भरकम भीड़ पधारी।
(iii) सभा में अनेक लोग पधारे।
(iv) सभा में लोग अनेक पधारे।

24. निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य है – [1]

(i) जो पर्स मैंने खरीदा, वह अच्छी कंपनी का है।
(ii) मैंने एक पर्स खरीदा और वह अच्छी कंपनी का है।
(iii) मैंने अच्छी कंपनी का एक पर्स खरीदा
(iv) पर्स अच्छी कंपनी का है इसलिए मैंने खरीदा।

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

(i) 'प्रत्युत्तर' का संधि-विच्छेद ..... है।
(ii) 'वर्तुलाकार' का संधि विच्छेद ..... है।

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

(i) 'अनुशासन' शब्द में ..... उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।
(ii) 'पशुत्व' शब्द में ..... प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

(i) कंगन, चाँद, सूर्य, दही में से तत्सम शब्द है .....
(ii) वसुधा, सहस्र, गधा, वृत्ति में से तद्भव शब्द है .....

खंड – 'ब'

(विषयनिष्ठ / वर्णनात्मक)

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए – [4]

क्या वह चरागाह में उछल–कूद मचाता
नन्हा–सा बछड़ा है?
या सूरज में घोंसला बनाने को
उड़ी जाती चिड़िया?
या उत्तर दिशा में दौड़ती सीटी बजाती रेलगाड़ी?

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन ।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – [3]

कभी महसूस किया है कि किस कदर दहलता है
मौन समाधि लिए बैठे पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर तक, कोई पत्थर?
सुनाई पड़ा है कभी भरी दुपहरिया में
हथौड़ों की चोट से बिखरते पत्थरों की चीख?

अथवा

एक बीते के बराबर
यह हरा ठिगना चना,
बाँधे मुरैठा शीश पर
छोटे गुलाबी फूल का,
सज कर खड़ा है
पास ही मिलकर उगी है
बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली ।

Gandhi Memorial College / 121102

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए – [3×2=6]

(क) 'आह्वान' कविता में कवि भारतवासियों से क्या आह्वान कर रहा है?

(ख) कबीर ने किन लोगों को अपने नज़दीक रखने की आवश्यकता पर बल दिया है?

(ग) 'आज़ादी' को लेकर शागिर्द की उलझन कैसे दूर हुई?

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में पृथ्वी को बूढ़ी क्यों कहा गया है?

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए – [3×2=6]

(क) स्पष्ट कीजिए कि 'अंधेर नगरी' नाटक में चूरन बेचनेवाला अपने संवादों द्वारा तत्कालीन परिस्थितियों पर चोट भी कर रहा है।

(ख) वर्तमान संदर्भों में भी 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी किस प्रकार प्रासंगिक है?

(ग) कथावाचक के घर से बहादुर के भाग जाने का क्या कारण था?

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी में राजनीतिक प्रतिनिधियों की स्वार्थपरता और असंवेदनशीलता का पता कैसे चलता है?

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में दीजिए – [2×2=4]

(क) आज भी नाखूनों का बढ़ना लेखक को क्या याद दिलाता है?

(ख) समाचारों के चयन में संवाददाता तथा प्रमुख संपादक की क्या भूमिका होती है?

(ग) 'सुखी राजकुमार' कहानी की कौन–सी घटना आपको सबसे अधिक मर्मस्पर्शी लगी व क्यों?

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5]

नौकर रखना कई कारणों से बहुत ज़रूरी हो गया था। मेरे सभी भाई और रिश्तेदार अच्छे ओहदों पर थे और उन सभी के यहाँ नौकर थे। मैं जब बहन की शादी में घर गया, तो वहाँ नौकरों का सुख देखा। मेरी दोनों भाभियाँ रानी की तरह बैठकर चारपाइयाँ तोड़ती थीं, जबकि निर्मला को सबेरे से लेकर रात तक खटना पड़ता था। मैं ईर्ष्या से जल गया। इसके बाद नौकरी पर वापस आया, तो निर्मला दोनों जून 'नौकर–चाकर' की माला जपने लगी। उसकी तरह अभागिन और दुखिया स्त्री और भी इस दुनिया में होगी?

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) कथावाचक के लिए नौकर रखना क्यों ज़रूरी हो गया था?

(ग) अभागिन और दुखिया स्त्री किसे और क्यों कहा गया है?

अथवा

इधर देश की राजनीतिक दशा भयंकर होती जा रही थी। कंपनी की फौजें लखनऊ की तरफ़ बढ़ी चली आती थीं। शहर में हलचल मची हुई थी। लोग बाल–बच्चों को लेकर देहातों की तरफ़ भाग रहे थे। पर, हमारे दोनों खिलाड़ियों को इसकी ज़रा भी फ़िक्र न थी। वे घर से आते, तो गलियों में होकर। डर था कि कहीं किसी बादशाही मुलाज़िम की निगाह न पड़ जाए, जो बेकार में पकड़े जाएँ। हज़ारों रुपये सालाना की जागीर मुफ़्त में ही हजम करना चाहते थे।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

(ख) गद्यांश में वर्णित राजनीतिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

(ग) गद्यांश में किन दो खिलाड़ियों का वर्णन किया गया है? वे घर से छिपते–छिपाते क्यों आते थे?

[5]

34. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मैं मनुष्य के नाखून की ओर देखता हूँ, तो कभी–कभी निराश हो जाता हूँ। ये उसकी भयंकर पाशवी वृत्ति के जीवंत प्रतीक हैं। मनुष्य की पशुता को जितनी बार काट दो, वह मरना नहीं जानती ।

अथवा

मेरे चारों ओर इतना सौंदर्य था कि मैंने कभी बाहर देखने का प्रयत्न नहीं किया । मैं जीता रहा और मर गया । आज, जब मैं मर गया हूँ, तो उन्होंने मुझे इतने ऊँचे पर स्थापित कर दिया है कि मैं संसार की सारी कुरूपता और दुख–दर्द देख सकता हूँ।

[5]

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक – तिहाई शब्दों में लिखिए –

भारत में गुरु–शिष्य संबंध का वह भव्य रूप आज साधुओं, पहलवानों और संगीतकारों में ही, थोड़ा–बहुत ही सही पाया जाता है। भगवान रामकृष्ण बरसों योग्य शिष्य पाने के लिए प्रार्थना करते रहे। उनके जैसे व्यक्ति को भी उत्तम शिष्य के लिए रो–रोकर प्रार्थना करनी पड़ी थी। इसी से समझा जा सकता है कि एक गुरु के लिए उत्तम शिष्य कितना महँगा और महत्त्वपूर्ण है। संतानहीन रहना उन्हें दुख नहीं देता पर बगैर शिष्य रहने के लिए वे एकदम तैयार नहीं रहते। इस संबंध में भगवान ईसा का एक कथन सदा स्मरणीय है। उन्होंने कहा था – 'मेरे अनुयायी लोग मुझसे कहीं अधिक महान हैं और उनकी जूतियाँ होने की योग्यता भी मुझमें नहीं है।' यही बात है, गाँधी जी बनने की क्षमता जिनमें है, उन्हें गाँधी जी अच्छे लगते हैं और वे ही उनके पीछे चलते भी हैं। विवेकानन्द की रचना सिर्फ उन्हें पसंद आएगी, जिनमें विवेकानंद बनने की अद्‌भुत शक्ति निहित है। कविता के मर्मज्ञ और रसिक स्वयं कवि से अधिक महान होते हैं। संगीत के पागल सुननेवाले ही स्वंय संगीतकार से अधिक संगीत का रसास्वादन करते हैं। यहाँ पूज्य नहीं, पुजारी ही श्रेष्ठ है। यहाँ सम्मान पानेवाले नहीं, सम्मान देनेवाले महान हैं। स्वयं पुष्प में कुछ नहीं है, पुष्प का सौन्दर्य उसे देखनेवाली दृष्टि में हैं।

36. छात्रावास में रहनेवाले छोटे भाई का विद्यालय उन्हें राजस्थान–भ्रमण के लिए ले जा रहा है। अपने भाई को सावधानी, अनुशासन व संयम के साथ भ्रमण का आनंद लेने की सीख देते हुए पत्र लिखिए । [5]

अथवा

दूरदर्शन पर प्रसारित होनेवाले किसी कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए दूरदर्शन निर्देशक को पत्र लिखिए ।

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए – [7]

(क) वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ

(ख) सोशल मीडिया का व्यक्ति और समाज पर प्रभाव

(ग) यदि मैं शिक्षामंत्री होता / होती

(घ) करत – करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान